

مدھیہ پردیش اردو اکادمی
مدھیہ پردیش سنسکرتی پریشد، محکمہ ثقافت، بھوپال
ملا رموزی سنسکرتی بھون، بان گنگا چوراہا، بھوپال۔ 462003

سال ۲۰۲۰ کے اعزازات کے ضوابط اور شرائط

- ۱۔ اکادمی کے اعزازی منصوبے میں حصہ لینے کے لیے یکم جنوری، ۲۰۲۰ء سے ۳۱ دسمبر، ۲۰۲۰ء کے درمیان رواں سال میں شائع اشتہار میں دی گئی تاریخ کو شامل کی جائیں گی۔ کتاب کا پہلا ایڈیشن ہی قابل قبول ہوگا، اس کے بعد کے ایڈیشن قبول نہیں کیے جائیں گے۔ تخلیق کار کا مکمل تعارف بھی ساتھ رہے گا۔
- ۲۔ صوبائی اعزازات صوبے کے تخلیق کاروں کے لیے ہی ہیں۔ صوبے کے تخلیق کار کا مطلب ہے کہ اس کی پیدائش مدھیہ پردیش میں ہوئی ہو یا گزشتہ دس برسوں میں صوبے میں رہتے ہوئے کوئی تخلیقی کام کیا ہو۔ ساتھ میں رہائشی سٹوڈنٹس فیلو شپ ہونا بھی ضروری ہے۔
- ۳۔ جو تخلیق کار اکادمی کے کل ہند اعزازات سے نوازے جا چکے ہیں، ان کی تخلیقات پر غور نہیں کیا جائے گا، لیکن جو تخلیق کار صوبائی اعزازات حاصل کر چکے ہیں، وہ صرف کل ہند اعزاز کے لیے حاصل شدہ اعزاز کے پانچ سال بعد ہی حصہ لے سکتے ہیں۔ اس کے لیے سٹوڈنٹس فیلو شپ دینا ہوگا۔
- ۴۔ بھیجی گئی کتاب پر قلم کار کی تحریری رضامندی ہونا ضروری ہے۔
- ۵۔ اعزاز کے لیے صرف شائع شدہ کتابیں ہی قبول کی جائیں گی۔
- ۶۔ ہر ایک اعزاز کے لیے دیے گئے ڈکلیئریشن فارم میں کتاب کا نام، قلم کار کا نام، پورا پتہ، سال اشاعت، بھیجنے والے کا نام، موبائل نمبر کے ساتھ دستخط شدہ فارم ہر کتاب کے پہلے صفحہ پر اور ہنڈل پر منسلک کرنا (چسپاں کرنا) ضروری ہے۔
- ۷۔ ایسی کتابیں جو اکادمی کے مالی تعاون سے شائع ہو چکی ہیں (بایونیورسٹی میں تحقیق اور پی ایچ ڈی کے لیے جمع کی جا چکی ہیں) قبول نہیں کی جائیں گی۔
- ۸۔ اعزاز کے لیے بھیجی گئیں کتابیں واپس نہیں کی جائیں گی اور نہ ہی خریدی جائیں گی۔
- ۹۔ اکادمی کے ذریعے جاری کیے گئے اشتہار میں کتابیں حاصل ہونے کی آخری تاریخ تک ہی کتابیں قبول کی جائیں گی۔ ڈاک کی تاخیر یا کتابیں گم ہو جاتی ہیں تو اس کے لیے اکادمی ذمہ دار نہیں ہوگی۔
- ۱۰۔ محکمہ ثقافت حکومت مدھیہ پردیش کے ملازمین اعزازی منصوبے میں حصہ نہیں لے سکیں گے۔
- ۱۱۔ تخلیق کار ایک کتاب کو ایک ہی اعزاز کے لیے بھیجیں۔ قومی اور صوبائی اعزازات کے لیے ایک تخلیق کار کی ایک ہی تخلیق قابل قبول ہوگی۔
- ۱۲۔ کتابوں کی جانچ پرکھ کے لیے حکومت کے ذریعے تشکیل دی گئی جیوری کو یہ اختیار ہوگا کہ وہ موصول کتابوں میں سے تخلیقات کے معیار اور تخلیق کار کے مکمل بائیو ڈاٹا اور حیات و خدمات کی بنا پر انتخاب کرے۔ ایک کتاب موصول ہونے پر وہ اعزاز صفر مانا جائے گا۔ یہ اختیار پوری طرح جیوری کا ہوگا۔
- ۱۳۔ اعزاز کے تعلق سے اکادمی کا فیصلہ آخری اور قابل قبول مانا جائے گا۔
- ۱۴۔ ہر ایک اعزاز کے لیے کتابوں کی چار کاپیاں بھیجنی ہوں گی۔ پیکٹ پر اعزاز کا نام ضرور لکھیں ورنہ داخلہ منسوخ کیا جاسکتا ہے۔ کتابیں ڈائریکٹر، مدھیہ پردیش اردو اکادمی، ملا رموزی سنسکرتی بھون، بان گنگا چوراہا، بھوپال۔ 462003 کے پتے پر بھیجیں۔ معلومات کے لیے اکادمی دفتر کے ٹیلی فون نمبر 0755-2551691 پر بات کر سکتے ہیں۔

ڈائریکٹر

مدھیہ پردیش اردو اکادمی، بھوپال

उर्दू अकादमी

मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, भोपाल

मुल्ला रमूज़ी संस्कृति भवन, बाणगंगा चौराहा, भोपाल 462003

दूरभाष : (0755) 2551691

वर्ष 2020 हेतु पुरस्कार के नियम एवं शर्तें

- 1- अकादमी की पुरस्कार योजना में भाग लेने के लिए 01 जनवरी, 2020 से 31 दिसम्बर, 2020 के बीच प्रचलित वर्ष में प्रकाशित विज्ञापन में दी गई तिथि को शामिल की जा सकेंगी। पुस्तक का प्रथम संस्करण ही मान्य होगा, पश्चातवर्ती संस्करण मान्य नहीं होंगे। रचनाकार का पूर्ण जीवन परिचय (बायोडाटा) भी साथ रहेगा।
- 2- प्रादेशिक पुरस्कार प्रदेश के लेखकों के लिए ही हैं। प्रदेश के लेखक का अर्थ है लेखक का जन्म मध्यप्रदेश में हुआ हो या गत दस वर्षों से प्रदेश में रहते हुए रचनाकार्य किया हो। तत्सम्बन्धी मूल निवासी प्रमाणपत्र आवश्यक है।
- 3- जो रचनाकार अकादमी के अखिल भारतीय पुरस्कार से पुरस्कृत हो चुके हैं, उनकी कृति पर विचार नहीं होगा। किन्तु जो रचनाकार प्रादेशिक पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। केवल अखिल भारतीय पुरस्कार के लिए पुरस्कार प्राप्त वर्ष से पाँच वर्ष बाद ही भाग ले सकते हैं। इसके लिए प्रमाण पत्र देना होगा।
- 4- भेजी गई पुस्तक पर लेखक की लिखित सहमति अनिवार्य है।
- 5- पुरस्कार के लिए सिर्फ प्रकाशित पुस्तकें ही स्वीकार्य होंगी।
- 6- प्रत्येक पुरस्कार के लिए पुस्तक का नाम, लेखक का नाम, पूरा पता, प्रकाशन वर्ष, प्रेषक का नाम, मोबाइल नम्बर के साथ हस्ताक्षरयुक्त पर्वी पुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर एवं बंडल पर चिपकाना अनिवार्य है।
- 7- ऐसी पुस्तकें जो अकादमी से पुरस्कृत अथवा अनुदान से प्रकाशित हैं। (अथवा विश्वविद्यालय में प्रस्तुत शोध पी.एच.डी. या लघु शोध प्रबंध) मान्य नहीं होगी।
- 8- पुरस्कार प्रवृष्टि के लिए भेजी गई पुस्तकें वापिस नहीं होंगी और न क्रय की जाएंगी।
- 9- अकादमी द्वारा जारी किए गये विज्ञापन में पुस्तकें प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक ही पुस्तकें स्वीकार की जाएंगी। डाक की देरी अथवा पुस्तकें खो जाने के लिए अकादमी जिम्मेदार नहीं होगी।
- 10- मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के कर्मचारी पुरस्कार योजना में भाग नहीं ले सकेंगे।
- 11- रचनाकार एक पुस्तक को एक ही पुरस्कार के लिए भेजें। अखिल भारतीय एवं प्रादेशिक पुरस्कारों के लिए एक रचनाकार को एक ही कृति मान्य होगी।
- 12- परीक्षण हेतु शासन द्वारा गठित जूरी को यह अधिकार होगा कि वह प्राप्त पुस्तकों में से कृतियों की गुणवत्ता एवं रचनाकार के सम्पूर्ण (बायोडाटा) जीवन वृत्त के आधार पर चयन करे। एक कृति प्राप्त होने पर वह पुरस्कार शून्य माना जाएगा। यह अधिकार पूर्णतः जूरी का होगा।
- 13- पुरस्कार के सम्बन्ध में अकादमी का निर्णय अंतिम और मान्य होगा।
- 14- प्रत्येक पुरस्कार के लिए पुस्तक की चार प्रतियाँ भेजनी होंगी। पैकेट पर पुरस्कार का नाम अवश्य लिखें। अन्यथा प्रवृष्टि निरस्त की जा सकती है। पुस्तकें निदेशक, मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति भवन, बाणगंगा चौराहा, भोपाल-462003 के पते पर भेजें। जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष 0755-2551691 बात कर सकते हैं।

निदेशक,

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, भोपाल